राधे राधे | By Madhur Sharma

राधे तेरे चरणों की धूल में जो समा जाऊं
श्यामा तेरे चरणों की धूळ में जो समा जाऊं
बस इतनी कृपा कर दो खुद को मैं भूल जाऊं
राधे .....

तेरे भण्डार से कुछ ना जायेगा
मेरी तक़दीर संवर जायेगी
शान में तेरे ना कुछ कमी होगी
मेरी तस्वीर बदल जाएगी
संग संग चलूँ तेरे कदमो पे पलूँ तेरे
दिन रात तेरे गुण गाऊं
राधे .....

तेरे पग पैजनी की रुनझुन
मेरी रग रग में आ समाएगी
भूल जाऊंगा मैं इस ज़माने को
फिर कोई माया भी ना सताएगी
राधे राधे जपूँ मैं श्यामा श्यामा जपूँ
दिन रात तेरे गुण गाऊं
राधे .....

अपने जज़्बात को बयां करना
गर कोई गुनाह हो तो हो जाए
तेरी नज़रों में गर मुजरिम हूँ मैं
तो कोई सख्त सज़ा हो जाए
बार बार भूल करूँ हर सजा क़ुबूल करूँ
राधे राधे गाऊं .....
दिन रात तेरे गुण गाऊं
राधे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-by-madhur-sharma/